एशियाई जलपक्षी जनगणना

चर्चा में क्यों?

उत्तराखंड के देहरादून ज़िले के **आसन आर्द्रभूमि** में स्वयंसेवकों ने **पक्षी गणना अभियान** के दौरान **117 विभिन्न प्रजातियों के 5,225 पक्षियों की पहचान** की।

प्रमुख बिंदु

- **आयोजन के बारे में:**
  - पक्षी गणना अभियान का आयोजन 35 प्रतिभागियों की एक टीम द्वारा किया गया था, जिन्हें पाँच समूहों में विभाजित किया गया था।
  - इसका उद्देश्य आसन आर्द्रभूमि में **घरेलू और प्रवासी दोनों पक्षियों की आबादी** की निगरानी करना था।
  - टीमों ने **आसन झील, यमुना और आसन नदियों, शिवालिक पर्वत श्रृंखला और** आसपास के संरक्षित वनों सहित स्थानों पर व्यापक पक्षी गणना की।
- **सर्वेक्षण और कार्यप्रणाली:**
  - 150 से अधिक स्वयंसेवकों और वन कर्मचारियों ने **जलपक्षियों की गणना और अन्य पक्षी प्रजातियों का दस्तावेज़ीकरण** करने के लिये पूर्व-निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए 23 स्थलों का सर्वेक्षण किया।
  - पर्यवेक्षकों ने दलदलों और आर्द्रभूमियों के आसपास पक्षियों के व्यवहार और गतिविधियों को भी रिकॉर्ड किया।
- **नागरिक विज्ञान पहल:**
  - **एशियाई जलीय पक्षी गणना** उत्तराखंड के **23 आर्द्रभूमि स्थलों** पर एक साथ की गई।
  - इस पहल को **उत्तराखंड वन विभाग** का समर्थन प्राप्त था और इसमें विभिन्न **गैर-सरकारी संगठन (NGO)** भी शामिल थे।

आसन संरक्षण रिज़र्व

- **परिचय:**
  - आसन संरक्षण रिज़र्व आसन नदी के किनारे **444 हेक्टेयर क्षेत्र** में फैला हुआ है, जो देहरादून ज़िले में **यमुना नदी** के साथ संगम तक फैला हुआ है।
  - **वर्ष 1967 में निर्मित आसन बैराज** के कारण बाँध के ऊपर गाद जमा हो गई, जिससे **पक्षियों के लिये अनुकूल आवास** निर्मित हो गए।
- **जैवविविधता और प्रजातियाँ:**
  - यह रिज़र्व पक्षियों की 330 प्रजातियों का आवास है, जिनमें गंभीर रूप से लुप्तप्राय **लाल सिर वाला गिद्ध, सफेद पूंछ वाला गिद्ध और बेयर पोचर्ड** शामिल हैं।
  - इस स्थल पर **लाल कलगी वाले पोचार्ड और रूडी शेलडक** की जैवभौगोलिक आबादी का 1% से अधिक हिस्सा दर्ज है।
  - गैर-पक्षी प्रजातियों में 49 मछली प्रजातियाँ शामिल हैं, जिनमें लुप्तप्राय **पुटिटोर महाशीर** भी शामिल है।